1. What is the Minimum Support Price (MSP)?

2. Who decides the MSP in India?

1. What are the objectives of MSP?

2. What are the criticisms of the MSP system?

3. What are some possible reforms for the MSP system?

4. How can MSP be made more effective in achieving its objectives?

1. Critically analyze the objectives and instruments of agricultural price policy in India. Discuss the challenges faced in implementing this policy effectively.

2. Explain the concept of Minimum Support Price (MSP) and its impact on farmers, consumers, and the government. Suggest measures to improve the effectiveness of the MSP system.

3. Discuss the role of market intervention by the government in ensuring agricultural price stability. Analyze the effectiveness of buffer stocking operations in achieving this objective.

4. How does globalization impact agricultural price policy in India? Discuss the challenges and opportunities emerging from international trade for Indian agriculture.

1. What are the challenges faced by agricultural marketing in India?

2. What are the functions of Agricultural Produce Market Committees (APMCs)?

3. What are the limitations of APMCs?

4. What are some recent reforms undertaken to improve agricultural marketing in India?

5. What are the potential benefits of improving agricultural marketing?

6. Discuss the role of contract farming in improving agricultural marketing.

1. **Analyze the major challenges faced by agricultural marketing in India. What are the potential consequences of these challenges for farmers and consumers? Suggest policy measures and reforms to address these issues.**

2. **Discuss the role of intermediaries in agricultural marketing in India. Are they essential or detrimental to the system? Analyze the arguments for and against their role.**

3. **Critically evaluate the role of Agricultural Produce Market Committees (APMCs) in India. Discuss the limitations of APMCs and suggest reforms to make them more efficient and farmer-friendly.**

4. **How can Information and Communication Technologies (ICT) be used to improve agricultural marketing in India? Discuss the potential benefits and challenges associated with using ICT in this sector.**

5. **Discuss the concept of contract farming in agricultural marketing. Analyze the potential benefits and drawbacks of contract farming for farmers and companies.**

1. Why is agricultural finance crucial for India's agricultural development?
2. What are the main sources of agricultural finance in India?
3. What are the challenges in ensuring institutional credit flow to farmers?
4. What are some government initiatives to improve agricultural credit delivery?
5. How can agricultural credit delivery be made more effective?
6. Discuss the role of crop insurance in agricultural finance.

1. Discuss the major challenges faced by Indian agriculture in accessing formal credit. What are the potential consequences of these challenges? Analyze the role of government initiatives like Kisan Credit Card (KCC) scheme and suggest potential improvements.

2. Analyze the role of Microfinance Institutions (MFIs) in providing financial services to small and marginal farmers. Discuss the potential benefits and drawbacks of MFIs in the context of Indian agriculture.

3. Discuss the role of various government agencies like NABARD (National Bank for Agriculture and Rural Development) in providing financial support to Indian agriculture. Analyze the different types of loans offered by NABARD and their impact on the sector.

1. न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) क्या है?

2. भारत में एमएसपी कौन तय करता है?

1. एमएसपी के उद्देश्य क्या हैं?

2. एमएसपी प्रणाली की आलोचनाएँ क्या हैं?

3. एमएसपी प्रणाली के लिए कुछ संभावित सुधार क्या हैं?

4. एमएसपी को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है?

1. भारत में कृषि मूल्य नीति के उद्देश्यों और उपकरणों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें। इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें।

2. न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की अवधारणा और किसानों, उपभोक्ताओं और सरकार पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें। एमएसपी प्रणाली की प्रभावशीलता में सुधार के लिए उपाय सुझाएं।

3. कृषि मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने में सरकार द्वारा बाजार हस्तक्षेप की भूमिका पर चर्चा करें। इस उद्देश्य को प्राप्त करने में बफर स्टॉकिंग संचालन की प्रभावशीलता का विश्लेषण करें।

4. वैश्वीकरण भारत में कृषि मूल्य नीति को कैसे प्रभावित करता है? भारतीय कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से उभरने वाली चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करें।

1. भारत में कृषि विपणन के समक्ष क्या चुनौतियाँ हैं?

2. कृषि उपज बाज़ार समितियों (एपीएमसी) के क्या कार्य हैं?

3. एपीएमसी की सीमाएँ क्या हैं?

4. भारत में कृषि विपणन में सुधार के लिए हाल ही में किए गए कुछ सुधार क्या हैं?

5. कृषि विपणन में सुधार के संभावित लाभ क्या हैं?

6. कृषि विपणन में सुधार में अनुबंध खेती की भूमिका पर चर्चा करें।

1. भारत में कृषि विपणन के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का विश्लेषण करें। किसानों और उपभोक्ताओं के लिए इन चुनौतियों के संभावित परिणाम क्या हैं? इन मुद्दों के समाधान के लिए नीतिगत उपाय और सुधार सुझाएं।

2. भारत में कृषि विपणन में मध्यस्थों की भूमिका पर चर्चा करें। क्या वे सिस्टम के लिए आवश्यक या हानिकारक हैं? उनकी भूमिका के पक्ष और विपक्ष में तर्कों का विश्लेषण करें।

3. भारत में कृषि उपज बाज़ार समितियों (एपीएमसी) की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। एपीएमसी की सीमाओं पर चर्चा करें और उन्हें अधिक कुशल और किसान-अनुकूल बनाने के लिए सुधारों का सुझाव दें।

4. भारत में कृषि विपणन में सुधार के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग कैसे किया जा सकता है? इस क्षेत्र में आईसीटी के उपयोग से जुड़े संभावित लाभों और चुनौतियों पर चर्चा करें।

5. कृषि विपणन में अनुबंध खेती की अवधारणा पर चर्चा करें। किसानों और कंपनियों के लिए अनुबंध खेती के संभावित लाभों और कमियों का विश्लेषण करें।

1. भारत के कृषि विकास के लिए कृषि वित्त क्यों महत्वपूर्ण है?

2. भारत में कृषि वित्त के मुख्य स्रोत क्या हैं?

3. किसानों को संस्थागत ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने में क्या चुनौतियाँ हैं?

4. कृषि ऋण वितरण में सुधार के लिए कुछ सरकारी पहल क्या हैं?

5. कृषि ऋण वितरण को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है?

6. कृषि वित्त में फसल बीमा की भूमिका पर चर्चा करें।

1. औपचारिक ऋण तक पहुँचने में भारतीय कृषि के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा करें। इन चुनौतियों के संभावित परिणाम क्या हैं? किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना जैसी सरकारी पहल की भूमिका का विश्लेषण करें और संभावित सुधारों का सुझाव दें।

2. छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने में माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) की भूमिका का विश्लेषण करें। भारतीय कृषि के संदर्भ में एमएफआई के संभावित लाभों और कमियों पर चर्चा करें।

3. भारतीय कृषि को वित्तीय सहायता प्रदान करने में नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) जैसी विभिन्न सरकारी एजेंसियों की भूमिका पर चर्चा करें। नाबार्ड द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के ऋणों और क्षेत्र पर उनके प्रभाव का विश्लेषण करें।

Agri Start-ups (कृषि स्टार्ट-अप्स)

Company ⟶ कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियाँ

⇓

Farmers & अन्य लोगों को तकनीक उपलब्ध कराना एवं अन्य संबंधी सेवाएँ उपलब्ध करती हैं।

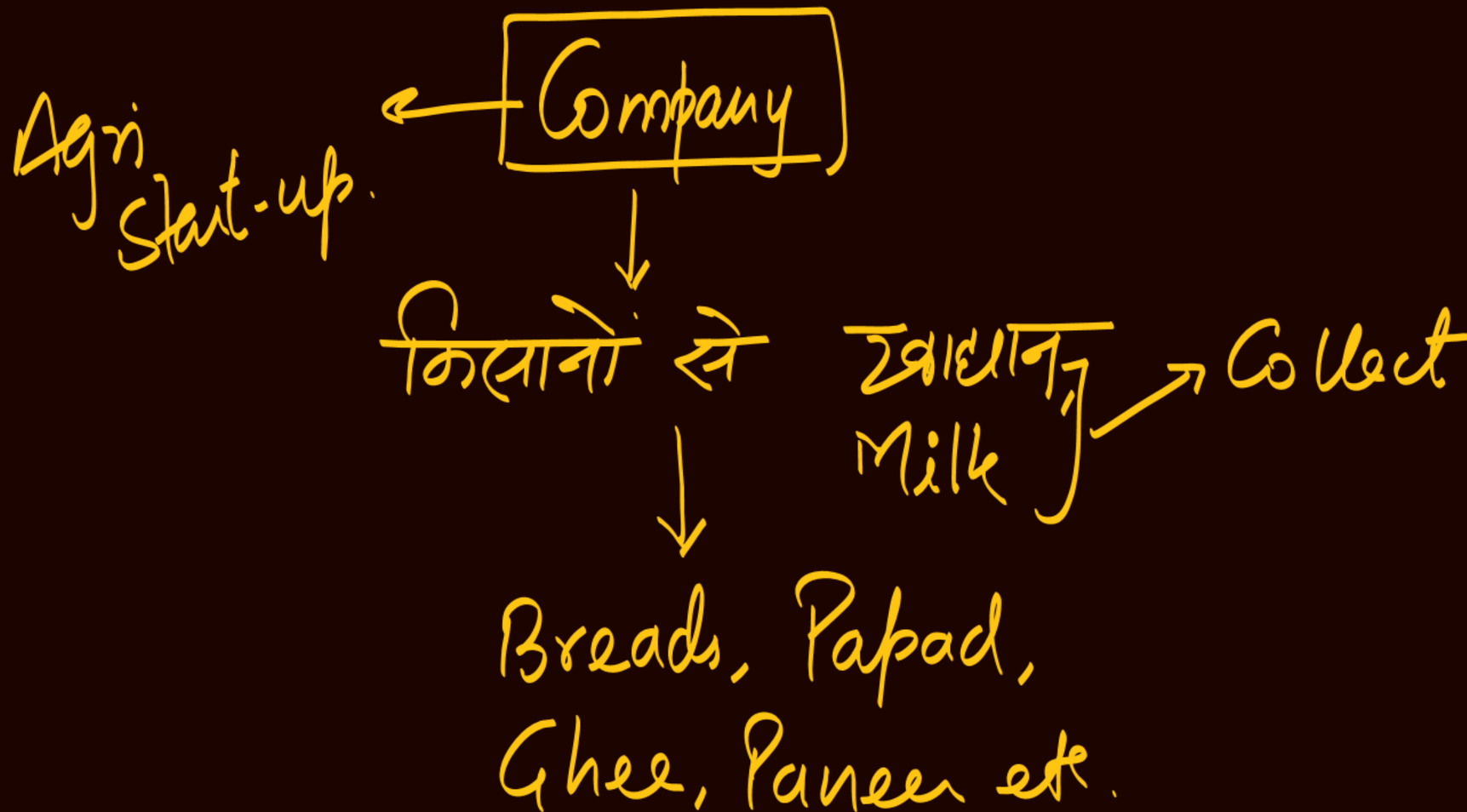

Agri Start-up. ← **Company**

↓

किसानों से खाद्यान्न, Milk → Collect

↓

Breads, Papad, Ghee, Paneer etc.

Company → जो तकनीकों का प्रयोग करती है।

कृषि में उत्पादन एवं उत्पादकता ↑ se
(Production) (Productivity)

- खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि
- किसानों का बेहतर जीवन स्तर (आजीविका में सुधार)
- अधिक विकाऊ कृषि

Examples of Agri Startups

- Fruvetech Private Ltd → फलों की शेल्फ लाइफ में वृद्धि
- Wolkus Technology Solution Pvt. Ltd.
  - 'Fasal' → AI का उपयोग
    - 'Precision Agriculture' (शुद्धता कृषि)
      - 'Smart Farming'
        - 'Right time for Right Crop'
      - सही मात्रा में इनपुट का उपयोग
        - Water, Fertilizer, Pesticides

- Natura Crop Care

↓

खर पतवार मुक्त
कृषि

भारत में कृषि स्टार्ट-अप्स की स्थिति

कृषि Start-up → पंजीकरण → DPIIT (Dept. for the Promotion of Industry & Internal Trade)

Apl, 2023 तक → DPIIT के अनुसार
↓
कृषि संबंधित
↓
374 Start-Up

सर्वाधिक Start-ups
↓
Maharasdra

Agri-tech Start-up → 2207

रोजगार → लगभग 38000 लोगों को रोजगार प्रदान किया है।

Ken Research Report (2020) के अनुसार

- Agritech Market
  - Revenue (आय) → CAGR → 32% B/n (2020-25)
  - सर्वाधिक Agritech → Delhi, Karnataka & Maharastra
  - next 10 yrs → भारतीय Agri-tech उद्योग → अनुमानित निवेश $10 bn.

कृषि स्टार्टअप के महत्व / भूमिका / लाभ

① उत्पादकता बढ़ाने में योगदान

- समाधान प्रदान करते हैं
- प्रशुद्ध कृषि में सहायक

Eg. DeHaat → तकनीकों के प्रयोग से किसानों के उत्पादन वृद्धि

② आय में वृद्धि

- किसान
  - अधिकांश → छोटे एवं सीमांत
  - कम आमदनी
  - ऋण का बोझ
  - एक फसल (Monocropping)
- Agri-Tech Startup → सहायक
  - फसल विविधीकरण
  - आय में वृद्धि

③ किसानों की बाजार तक पहुँच में सहायक

- Start-up → Platform

↓

Direct Connectivity

↓

किसानों, Retailers एवं उपभोक्ता

Eg. Ninjacart → Connect – Farmer एवं Retailer.

⑤ उत्पादन में वृद्धि → कृषि का भारत की GDP में लगभग 17% से 18% का योगदान है।

⇓

कृषि start-up की सहायता से इसे और अधिक बढ़ाया जा सकता है।

(5) जागरूकता प्रदान करते हैं

- Internet की सहायता से
  ↓
  किसानों का समूह बनाकर
  ↓
  Network तैयार करना
  ↓
  B/w farmer, Retailer, निर्यातकों आदि
  ↓
  किसानों को अधिक कीमत प्राप्त होती है

⑥ पारदर्शिता प्रदान करते हैं

- e-Commerce के माध्यम से

↓

Connect → Farmers को → बाजार से

- बेहतर कीमत
- आपूर्ति श्रृंखला में दक्षता

(7) महिला किसानों को सशक्त बनाना

- Agri Start-up

↓

महिलाओं → Traning देते है।

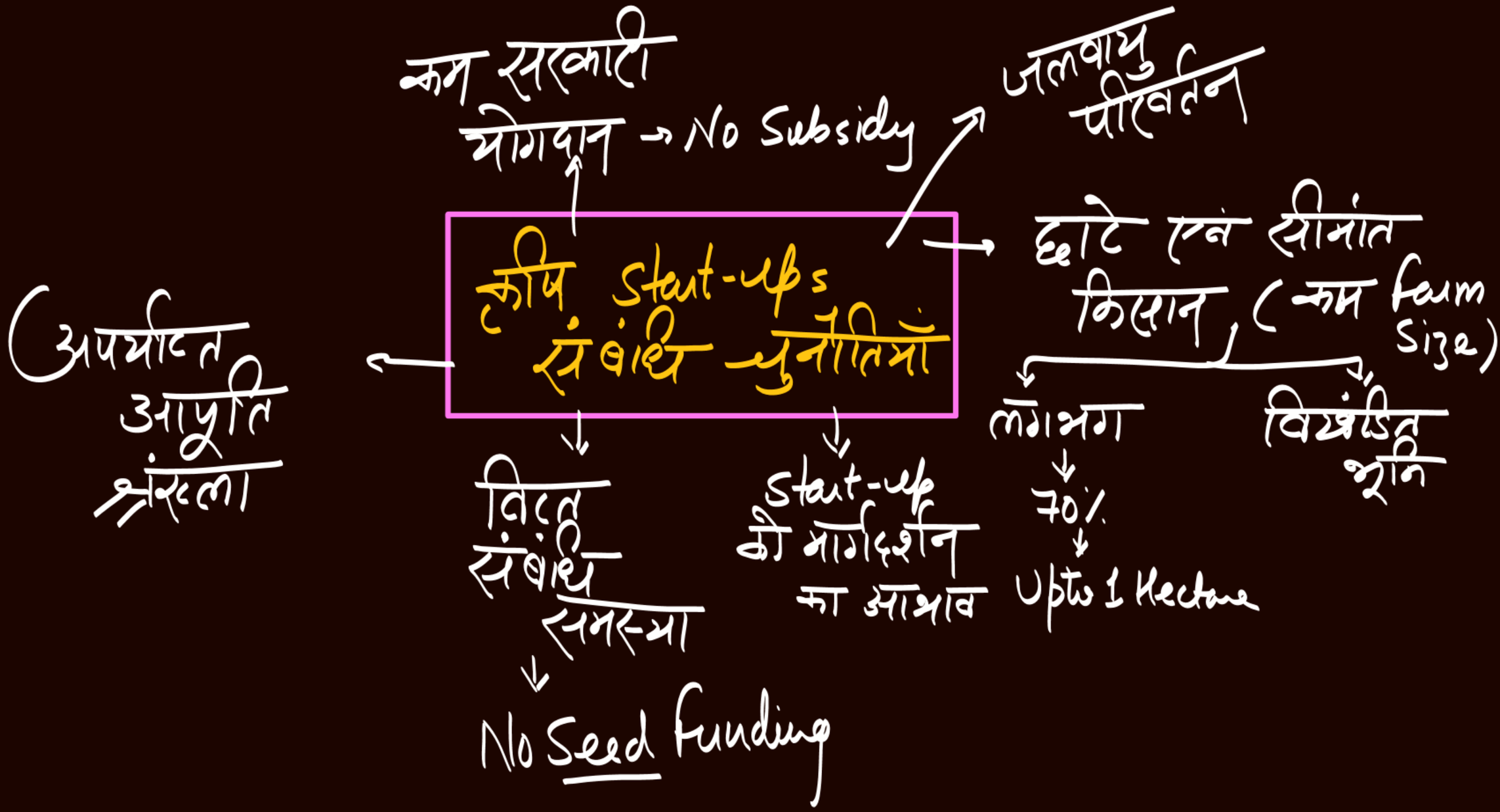
कम सरकारी योगदान → No Subsidy
जलवायु परिवर्तन
कृषि Start-ups संबंधी चुनौतियाँ
अपर्याप्त आपूर्ति श्रृंखला
छोटे एवं सीमांत किसान (कम Farm Size)
लगभग 70%
Upto 1 Hectare
विखंडित भूमि
वित्त संबंधी समस्या
No Seed Funding
Start-up को मार्गदर्शन का अभाव

सरकार की पहल → Agri startup.

① 2020 में → RBI → बैंकों को निर्देश दिए → ₹50 Cr. → Agri Start-up को ऋण देगें। (PSL के अंतर्गत)

② Budget. 2022 → NABARD के माध्यम से → Start-up के लिए फंड

③ Rastriya Krishi Vikas Yojana (RKVY)
- ↳ समर्थन → Agri Startups.
- ↳ 'RKVY-RAFTAAR Programme'
  - ↓ Remunerative Approaches for Agriculture & Allied Sector Rejuvenation

④ NIDHI PRAYAS
- ↓ Agri Start ups
  - ↓ ₹10 Lk → वित्तीय सहायता
- ↳ Dept. of SET के द्वारा।
  - ↓ Support Agri Startups.